स्रोत विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

RNI REG. NO: MPHIN/2007/20200

अन्ना मणि

अन्ना मणि का जन्म 1918 में केरल राज्य के ट्रावनकोर में हुआ। उनके पिता सिविल इंजीनियर थे। वे अपने 8 भाई-बहनों में 7वीं थी। इस उच्च शिक्षित परिवार में लड़कों को उच्च शिक्षा की सुविधाएं दी जाती थी किन्तु लड़कियों का भविष्य सिर्फ उनका विवाह था। 1925 में शुरू हुए वायकोम सत्याग्रह से प्रेरित हो उन्होंने ताउम्र खादी की साड़ी पहनने का फैसला किया।

अन्ना मणि को अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए ज्यादा विरोध नहीं सहना पड़ा और 1940 में उन्होंने प्रेसीडेंसी कॉलेज मद्रास में ऑनर्स डिग्री के लिए प्रवेश लिया। ऑनर्स के बाद उन्हें भौतिकी में शोध के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस में सी.वी. रमन की प्रयोगशाला में प्रवेश मिला। एक महिला होने के कारण प्रवेश में तो मुश्किलें आई हीं, प्रयोगशाला में उन्हें कई कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ा था।

उन्होंने हीरे और माणिक जैसे रत्नों का स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन शुरू किया। अन्ना ने 32 रत्नों के फ्लोरेसेन्स, अवशोषण और रमन स्पेक्ट्रा को रिकॉर्ड कर उनका परीक्षण किया। इन स्पेक्ट्रम के द्वारा अन्ना ने इनकी तापीय निर्भरता और ध्रुवण का अध्ययन किया। 1942-45 के बीच उनके 5 शोध पत्र प्रकाशित हुए। 1945 में अन्ना ने पीएच.डी. के लिए अपना शोध प्रबंध मद्रास विश्वविद्यालय में प्रस्तुत किया लेकिन उन्हें कभी पीएच.डी. की उपाधि नहीं दी गई। तर्क था कि अन्ना मणि के पास एम.एससी. की डिग्री नहीं है, वे सिर्फ बी.एससी. हैं। अतः उन्हें पीएच.डी. नहीं दी जा सकती।

प्रकाशक, मुद्रक सी.एन. सुब्रह्मण्यम की ओर से निदेशक एकलव्य फाउण्डेशन द्वारा एकलव्य, ई-7/453, अरेरा कालोनी, भोपाल - 462016 (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आदर्श प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स, इंदिरा प्रेस कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर, ज़ोन-1 भोपाल (म.प्र.) 462 011 से मुद्रित। सम्पादक: डॉ. सुशील जोशी